### उत्तराखण्ड शासन

# विकित्सा स्वास्थ्य एवं विकित्सा शिक्षा अनुमाग-5

# अधित्वना

#### प्रकीर्ण

### 13 अप्रैल, 2020 ई0

संख्या 326 / XXVIII(5) / 2020-08(सामान्य) / 2019-तज्बवात "मारत का संविधान" हे अनुस्केद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रवोग तथा इस विषय के विद्यमान समस्त निवनों और आदेशों का विद्यमण करते हुए, उत्तराखण्ड विकित्सा विमान की टैक्नीशियन संवर्ग सेवा में निवुक्त व्वक्तियों की भर्ती तथा सेवा

त्तंवर्ग सेवा नियमावली, 2020

#### भाग-एक-लामान्य

संमिप्त नाम और 1. (1) इस नियमावली का संबोध्य नाम उसराखण्ड विकित्सा शिक्षा विमाग टैक्नीशियन AIX. (तैब, आंवटीक / सीवएसकप्रसक्तात, डेव्टन आदि) संवर्ग सेवा निवमावली, 2020 होगा।

(2) यह दूरना प्रवृत्त होगी।

तेवा की भारियति

- उत्तराखण्ड विकित्सा शिका विभाग टैक्नीशिवन (सैंब, ओठटीठ/सीठएसठएसठबीठ, बेण्टल आदि) संवर्ग एक अराजपत्रित सेवा है, जिसमें समूह 'थ' वे पद समाविष्ट है।
- परिभाषाएँ जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकृत थ हो. इस नियमावसी में--
  - (क) 'निवृक्ति प्राधिकारी' से निवेशक, चिकित्सा शिक्षा विमान, उत्तराखण्ड अभिप्रेत है।
  - (ख) 'भारत का नावरिक' से ऐसे व्यक्ति अभिन्नेत है, जो 'नारत का संविधान' के माग-II के बधीन मारत का नागरिक हो या नारत का नागरिक समझा जाव।
  - (ग) 'बोर्ड' से 'उत्तराखण्ड विकित्सा शिक्षा सेवा वयन बोर्ड' अभिप्रेत है।
  - (घ) 'संविधान' से 'मारत का संविधान' अग्छित है।
  - (क) 'निवेशक' से 'निवेशक, विकित्सा शिक्षा, सत्तत्तत्त्वण्ड राज्य अधिमेत है।
  - (व) 'सरकार' ते उत्तराखन्ड राज्य की सरकार अमिप्रेस है।
  - (छ) 'राज्यपाल' सं उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिनेत है।
  - (ज) 'सेवा का रायस्व' से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर इस निवधावली वा इस नियमावली के प्राप्तम के पूर्व प्रकृत निवसों या आदेशों के अधीन मौलिक कप से नियुक्त व्यक्ति अभिनेत है।
  - (ब) 'तेवा' से उत्तराखण्ड विकित्ता शिक्षा विमान के निम्न टैक्नीशियन अभिप्रेत है:--
    - तैय टैक्पीशियन, (एनॉटामी, फिजिबोलॉची, बॉवोक्टीमस्ट्री, कम्युनिटी मेडिसिन, कारंसिक नेडिसिन, कार्नाकोलॉजी, वैक्शेलॉजी, नाइक्रोबॉवलॉजी, पीडिवादिक्स, जनरत मेडिसिन, बाह वैंक)।
    - बोठटीठ /सीठएसठप्रकार टेक्नीशियन (जनरत सर्जरी, बाव्योंपेविक्स, ई०एनठटीठ, ऑप्यलगोलॉपी, ऑक्ट एक गावनी, एनिस्थिसियोलॉपी, सी0एस0एस0बी0)।
    - डेण्टल टैक्सीशियन (डेण्टल विमान)।
    - ईक्सीठजीक टैक्नीशिवन (वेकिशान विभाग)।
    - रिफ्रेक्शनिस्ट टैक्नीशियन (ऑप्यलगोलॉची विमाय)।
    - 6. रेडियोगाफिक्स टेक्सिफिक्स (AD.)

रेडियोधेरेपी टैक्नीशियन (रेडियोधेरेपी विमाग)।

ऑडियोमेट्री टैक्नीशियन (ई0एन0टी0 विभाग)।

कैंसर जेनेटिक्स (रिसर्च),न्वृक्लियर मेडिसिन, रेडिएशन ऑनकोलॉजी, मेजर ओ०टी०. रेडियोडायानोसिस एनेस्थिसियोलॉजी (स्टेट कैंसर इन्स्टीट्यूट)।

10 न्यूरो सर्जरी, नेफोलॉजी, कॉर्डियोलॉजी, यूरोलॉजी व प्लास्टिक सर्जरी (सुपर

स्येशियलिटी विभाग)

मौलिक नियुक्ति से सेवा के संवर्ग में किसी यद पर ऐसी नियुक्ति अमिप्रेत है, जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमानुसार क्यन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न (N) हो तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार बयन के पश्यात् की गयी हो।

(म) भर्ती का वर्ष से कैलेण्डर दर्ष के जुलाई के प्रथम दिवस से आरम्भ होने वाली बारह

गास की अवधि अभिप्रेत है।

### भाग 2-संवर्ग

सेया में कर्नचारियों / अधिकारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदी की संख्या सेवा का संवर्ग उतनी होगी जो समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी। (1)

सेवा में कर्मशारियों / अधिकारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदी की संख्या जब तक उपचारा (1) के अधीन पारित आदेशों द्वारा परिवर्तन न किया जाय, उतनी (2)

होगी, जितनी परिशिष्ट-क में दी गयी है : परन्तु यह कि -

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को खाली छोड़ सकेंगे अधवा राज्यपाल किसी पद को इस प्रकार प्रास्थिगित कर सकेंगे, कि कोई व्यक्ति प्रतिपूर्ति का हकदार

राज्यपाल ऐसे स्थाई अथवा अस्थाई पद सृजित कर सकते हैं जैसा वे उचित (ব্য)

समझें।

### <u>भाग 3-भर्ती</u>

सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों की भर्ती निम्नानुसार की जायेगी :-मतीं का स्रोत

> टेक्नीशियन (लैंब. ऑठटी० / सीठएस०एस७ढी०, डेण्टल, रिफेक्सनिस्ट, ई०सी०जी०, रेडियोग्राफिक्स, रेडियोधेरेपी ,ऑडियोमेट्री, कैंसर जैनेटिक्स (रिसर्थ), न्युक्लियर मेडिसिन, रेडिएशन ऑनकोलॉजी, मेजर ओं0टी0. रेडियोडायग्नोसिस, एनेस्थिसियोलीजी, म्पूरो सर्जरी, नेफोलॉजी, कॉर्डियोलॉजी, यूरोलॉजी व प्लास्टिक सर्जरी )

नर्ता का जोत

प्रतिशत सीधी मती द्वारा।

आरक्षण

उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग व आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग तथा अन्य श्रेणी के अम्बर्थियों के लिए आरक्षण भर्ती के समय प्रकृत सरकार के आदेशों के अनुसार किया जायेगा।

### भाग 4-अहता

राष्ट्रीयता

- सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए यह आवश्यक है कि कम्पर्यी-
  - (क) नारत का नागरिक हो, या
  - (ख) भारतीय मूल का व्यक्ति जिसने भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, लंका तथा केनिया, बुगाण्डा और संयुक्त तांजानिया गणराज्य (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजन किया हो।

परन्तु जनत श्रेणी (ख) और (ग) से सम्बन्धित अन्यशी वह व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो। परना यह और कि श्रेणी (ख) से सम्बन्धित अभ्यशी के लिए भी उप पुलिस उप महानिरीक्षक अमिसूचना ज्ञाखा उत्तराखण्ड हारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-एव प्राप्त कर ले।

परन्तु यह और कि यदि अध्यक्षी उक्त भेणी (ग) से सम्बन्धित है प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अध्यक्षी को एक वर्ष से अधिक अवधि के बाद उसके द्वारा मारत की नागरिकता प्राप्त कर से।

टिप्पणी: जिस अभ्यशी के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु उसे म तो जारी किया गया हो और न ही मामजूर किया गया हो, उसे परीक्षा या साम्रात्कार में प्रवेश दिया जा सकता है और उसे अनन्तिम रूच से नियुक्त भी किया जा सकता है। किन्तु रातं यह है कि उसके द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय या उसके वह में जारी कर

# शैवणिक अर्हता

लैंब टैक्सीशियन

### रोबणिक अर्हता

- अन्यर्थी को नाव्यनिक शिका परिषद छताराखण्ड से विकास से इंग्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार हारा वसके समझका नान्यता प्राप्त किसी परीका में छलार्ज होना बाहिए।
- 2 अन्वर्गी हे पास हताराख्यक पैरामेडिकस क्रांडम्बल व पंजीवारण के योग्य किसी संस्थान से तीब टैक्नोसीजी में कियों /किफोना की संगति हो।
- 3. अन्यवीं के राख उत्पराखण्ड स्टेट मेडिकल केकस्टी अथवा सताराज्यक पैरानेडिकत कावन्तित में रंजीकरण का प्रमाण यत्र हो।
- अन्दर्शी के पास राज्य सरकार द्वारा नान्यता आदा विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कन से कम 02 वर्ष का कार्य अनुसब होना अनिवार्य है।
- अध्ययों को नाम्यमिक शिक्षा परिषद चत्वराखण्ड से विद्यान
  - त्ते इण्टरमीडिएट परीका या सरकार द्वारा उसके समकक मान्यता प्राप्त किसी परीक्षा में अतीर्ण होना बाहिए।
  - 2. सन्वर्धी के पास उत्तरासम्बद पैरामेकिकत कांवन्सित ने पंजीबारण के थोगा किसी संस्थान बोठटीव/सी**एएसएएसएबीट वें वि**ग्री/ विप्लोगा की छपाधि ं हो ।
  - अम्बर्धी के पास चरताशकाण्ड स्टेट मेडिकस फैकल्टी अपया सताराज्यक पैरामेकिकल कास्तिनस्य में पंजीवरण का प्रमाण नंत्र हो।
- अप्यर्थी के पास राज्य सरकार द्वारा मान्वता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम से कम 02 वर्ष का कार्य अनुषय होना अनिवार्य है।
- अन्वर्णी को म्हस्यनिक शिक्षा परिषद उत्तरस्खण्ड से विकान से इण्टरनिविएट परीवा वा सरकार द्वारा उसके सनकक्ष मान्यता प्रापा किसी वरीका ने उत्तीर्ण होना चाहिए।
- अन्यवी के पास कलावलाच पैरामेडिकस कांचन्सिल में पंजीकरण के शेषा किसी संस्थान से केप्टल टैक्नोलॉजी में बिग्री / डिप्सोमा की छपासि हो।
- अध्वर्णी के पास सताचारण स्टेट मेडिकल फॅकस्टी अवया उत्तराखन्य वैरामेडिक्स काउन्सिस में पंजीकरण का प्रयाग पत्र हो।
- अप्यर्की के पास राज्य करकार द्वारा मान्यता प्राप्त

ओ०टी०/ सी०एस०एस०डी० टैक्नीशियन

रूप्टल टेक्नीशियन

विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम ते जन 02 : वर्ष का कार्य अनुभव होना अनिवार्य है।

# रिफेक्सनिस्ट टेक्नीकियन

- ा बार्या को बार्यामक शिक्षा परिषद उत्तरस्थन्य से विश्वान से बुन्टरमिक्टिएट परीका का सरकार द्वारा उसके रामकव बान्यता क्रांस किसी परीका वे उत्तीर्व डोना बाहिए।
- अध्यक्ष के पाल उत्तराखण्ड पैरामेडिकस क्रांतन्सल में पंजीवनण के बोग्य किसी संस्थान से रिप्रेक्शनिस्ट /और्टामेट्री में डिग्री / किसोमा की संपाधि हो।
  - अस्मा के जास अताराखण्ड स्टेट मेडिकल फेकस्टी अस्मा उताराखण्ड पेरामेडिकल काछन्सिल में पंजीकरण
  - अध्यक्षी के पास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में तम से कम 02 वर्ष का कार्य अनुसद होना अनियार्थ है।

 अध्ययी को नाव्यमिक रिक्रा परिषद उत्तराखण्ड से विद्वान से इण्टरिनिडिएट परिक्रा या सरकार द्वारा उसके समका गान्यता प्राप्त किसी परिक्रा ने उत्तीर्ण होना बाहिए।

2. अन्यर्थी के पात उत्तराखम्ब पैरामेबिकल कांडिनाल में पंजीकत्व के योग्य किसी संस्थान से ईपसीठणी टेक्नीशियन में डिग्री / डिप्सोमा की उपाधि हो।

अन्ययो के याल उत्तराखण्ड स्टेट मेडिकल फैकस्टी अध्या उत्तराखण्ड पैरामेडिकल काउन्सिल में पंजीकरण

का प्रमाण पत्र हो। अध्ययों के पास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में क्रम से कन 02 वर्ष का कार्य अनुभव होना अनिवार्य है।

अध्ययों को मध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड से विकान से इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समक्स मान्यता प्राप्त किसी परीका में उत्तीर्ण होना माहिए।

 अध्ययों के पास उत्तराखण्ड पैरामेडिकल क्रांठन्सिल में पंजीकरण के बोग्य किसी संस्थान से रेडियोग्राफिक्स में डिग्री / डिप्लोमा की उपाधि हो।

अभ्ययाँ के यास चत्तराखण्ड स्टेट मेडिकल कैकल्टी अथवा उत्तराखण्ड पैरामेडिकल काउन्सिल में पंजीकरण का प्रमाण पत्र हो।

 अध्यक्षी के बास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य ने कम से कम 02 वर्ष का कार्य अनुषय होना अनिवार्य है।

 अन्यक्षी को माध्यमिक शिका परिषद उत्तराखण्ड से विद्वान से इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक मान्यता प्राप्त किसी परीक्षा में उत्तीर्ण क्षेत्रा चाहिए।

 अन्ययाँ के पास चताल्यकण्ड पैरानेडिक्स कांउन्सिल में पंजीकरण के योग्य किसी संस्थान से रेडियोथेरेपी में डिग्री / डिप्लोमा की चपायि हो।

3. बाग्यमी के पास संस्थालण्ड स्टेट मेडिकस फैकस्टी

इंग्सी०जी० टेक्नीशियन

रिडयोग्राफिक्स टैक्नीशियन

रेडिधोधेरेपी टैक्नीशियन

ऑडियोमेट्टी टैक्नीशियन

विविध्ता संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम से कम 02 वर्ष का कार्य अनुसर होना अनिवार्य है। 1. अन्यर्थी को नाव्यमिक शिक्षा परिषद उताराखण्ड से विहान से इन्टरनीडिएट परीका का सरकार द्वारा उसके समकक्ष

अन्यची के पास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

वान्यता प्राप्त किसी परीक्षा वें उत्तीर्ण होना चाहिए।

2. वान्यवी के चात उत्तराखण्ड पैशमेडिकस कांउन्सित में चंजीकरण के बोग्य किसी संस्थान से बॉन्डियोमेट्री में डिग्री / डिप्लोमा की छपानि हो।

 अन्यर्थी के पास साराखण्ड स्टेट मेडिक्स फैक्स्टी अध्यक्ष उत्तरसञ्ज्ञण्ड परामेडिक्स कासन्तिस में पंजीकरण का प्रमाण पत्र हो।

 अन्यवी के पास पाज्य संस्कार द्वारा मान्यता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम से कम 02 वर्ष का कार्य अनुभव होना अनियार्य है।

 अभ्यर्थी को नक्ष्यिक रिका परिषद उत्तराखण्ड से विज्ञान से इण्टरमीडिएट परीका का संस्कार द्वारा उसके समकवा नान्यता प्रांचा किसी परीका में उत्तीर्थ होना भाडिए।

अन्यर्थी के जन उत्तराखन्द पैरामेडिकत कांग्रेन्सल में पंजीकरण के योग्य किसी संस्थान से लेव टैक्नोलॉजी में दियी /विप्लोमा की उपापि की:

 अन्यवी के पास उत्तराखण्ड स्टेट मेडिकत फैकस्टी अधवा उत्तराखण्ड पैरामेडिकल काउन्सिल में पंजीकरण का प्रमाण पत्र हो।

 अध्यक्षी के पास राज्य सरकार द्वारा नान्यता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कन से रून 02 वर्ष का कार्य अनुगर होना अनिवार्य है।

परमाणु नियामक बोर्ड द्वारा निर्धारित।

 अन्यर्थी को नाध्यिक किसा परिषद उत्तराखम्ब से विज्ञान से इक्टरमीडिएट परीका या सरकार द्वारा उसके सनकत बान्यता प्राप्त किसी परीका में उत्तीर्थ होना चाहिए।

2 अन्यवीं के शास उत्तराखम्ड पैरामेडिकत कांउन्सित में पंजीकरण के योग्य किसी संस्थान से रेडियोधेरेपी में डियी/ डिफोना की उपाधि हो।

 अम्बर्धी के भास उत्तराखण्ड स्टेट मेडिकत कैकस्टी अभवा उत्तराखण्ड पैरावेडिकल काउन्सिल में पंजीकरण का प्रमाण पत्र हो।

 अम्बर्धी के खस राज्य सरकार द्वारा नान्यता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम से कम 02 वर्ष का कार्य अनुमय होना अनिवार्य है।

 अभ्यवीं को नक्ष्यमिक शिक्षा परिषद उत्तराखन्ड से विकान से इष्टरमीडिएट वरीका वा सरकार द्वारा उसके सनक्ष्य मान्यता प्राप्त किसी परीक्षा में उत्तीर्ज होना चारिए।

 अन्यानी के वाल उत्तरसम्बद्ध पैरामेडिकल कांस्तिल में पंजीकरण के बोग्य किसी संस्थान से ओठटीठ/सीठप्सठप्सठकेठ में दियी / डिप्लोमा की उपाध्य लोड

अन्वर्णी के पास उत्तराखण्ड स्टेट मेडिकल फैकाटी

कैंसर जेनेटिक्स (रिसर्च) टैक्नीरियन

न्यूक्लियर मेडिसन रेडिएशन ऑनकोलॉजी: टैक्नीशियन

मेजर ओ०टी० टैक्नीशियन

रेडियोडायग्नोसिस टैक्नीशियन

एनेस्थिसियोलॉजी टैक्नीशियन

यूरो सर्जरी / नेफोलॉजी / कॉर्डियोलॉजी / यूरोलॉजी / प्लास्टिक सर्जरी टैक्नीशियन अध्यक उत्तराखण्ड पैरामेडिकस कावन्सित में पंजीकरण का प्रमान पत्र हो।

 बाध्यक्षी के पास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विकित्ता संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम से कम 02 वर्ग का कार्य अनुमय द्वीना अनिवार्य है।

 अन्यर्थी को अध्यमिक शिक्षा परिषद छताराखण्ड से विद्यान से इण्टरमीडीक्ट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके सनकत मान्यता प्रापा किसी परीक्षा में छत्तीर्थ होना चाडिए।

 अन्वर्धी के पास उत्तराखण्ड पैरामेडिकस कांउन्सित में पंजीकरण के योग किसी संस्थान से देखियोत्राफिक्स में डिडी / किस्तोत्रा की उपाधि हो।

 अन्यर्थी के बास खराराखण्ड स्टेट मेडिकल फैकरटी अथवा उत्तराखण्ड पैरामेडिकल काउन्सिक में पंजीकरण का प्रमाण पत्र हो।

 अभ्यर्थी के पास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम से कम 02 • वर्ष का कार्य अनुसब होना अनिवार्य है।

 अभ्यर्थी को नक्त्यिंगिक शिक्षा परिषय करतराक्षण्य से विज्ञान से इण्टरनीकिएट परीक्षा या सरकार द्वारा धनके सनकक्ष नान्यता प्राप्त किसी परीक्षा में छत्तीर्ण होना चाडिए।

 अभ्यर्थी के पास स्ताराखण्ड पॅरामेडिकल कांग्रिसल में पंजीकरण के योग्य किसी संस्थाण से ओठटीठ/सीठएसठएसठडीठ में विग्नी/ विप्लीमा की स्पादि हो।

 अन्वर्धी के पास उत्तराखण्ड स्टेट मेडिकल फैकल्टी अध्या उत्तराखण्ड पैरामेडिकल काउण्तिल में पंजीकरण का प्रमाण पत्र हो।

 अन्तर्कों के पास खज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विकित्सा संस्थान से सन्वन्धित कार्य में कन से कन 02 वर्ष का कार्य अनुमय होना अनिवार्य है।

 अध्ययों को मान्यनिक रिक्रा परिषद छत्तराखण्ड से दिक्रान से इक्टरनीडिएट परीका या सरकार द्वारा छसके सभकन मान्यता प्राप्त किसी परीक्रा में छत्तीर्थ होना थाडिए।

- बाग्यधी के बास उत्तक्तकण्ड पैसमिडिकल कांतन्सिल में पंजीकरण के योग्य किसी संस्थान से बोठटी०/सीठएसठएसठडी० में विग्री/विप्सोमा की उपाधि हो।
- अध्यर्थी के पास उत्तराखण्ड स्टेट मेडिकल फैकस्टी अध्या अत्यराखण्ड पैरामेडिकल कावन्सिल में पंजीकरण का प्रमाण पत्र हो।

 अन्यर्थी के बास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्ता संस्थान से सम्बन्धित कार्य में कम से कम 02 वर्ष का कार्य अनुभव होना अनिवार्य है।

अनिवार्य / वांछनीय अर्हता उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह "ग" के पदों की गर्ती के लिए अनिवार्य/वांछनीय अर्हता नियमावली, 2010 समय---समय पर यथारांसोधित के प्राविधानों के अनुसार होगी।

अधिमानी अर्डता  अन्य कारों के समान होने पर ऐसे अध्यर्थी को सीबी मर्ली के मामले में अधिकान दिया आएगा जिसने—

प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो, या (1)

नेसनल कैंडेट कोर का बी अधवा सी प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो। (2)

आयु

जिस कलैण्डर वर्ष में रिक्तियों आयोग या किसी अन्य मती करने वाले प्राधिकारी द्वारा सीधी मतीं के लिए विद्वापित की जाय या यदास्थिति, ऐसी रिक्तियाँ सेवायोजन कार्यालय को सूचित की जायें, उस दर्व की 01 जुलाई को समय-समय पर यथा दिहित न्यूनसम आयु का हो जाना चाहिए और अधिकतम आयु का नहीं होना चाहिए।

परन्तु, अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य ऐसी श्रेणियों के अभ्योद्यों के मामले में जिन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाय अभ्यर्थियों की स्थिति में उच्चतर आयु उतने वर्ष अधिक होगी जितनी विनिर्दिष्ट की

जाय।

11.

14.

चरित्र

सेवा के किसी पद पर सीधी नतों के लिए अभ्यन्धी का चरित्र ऐसा होना चाहिए जिससे वह सरकारी सेवा की नौकरी के लिए सर्वधा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा।

टिप्पणी : संघ सरकार या राज्य सरकार अथवा संच सरकार से स्वामित्व में अथवा नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम वा निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधनता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

वैवाहिक प्रास्थिति

सेया में किसी पद पर ऐसा पुरूष अध्यशीं, जिसकी एक से अधिक जीवित पत्नियाँ हो. अबवा ऐसी महिला अभ्यर्थी, जिसका एक से अधिक जीवित पति हो, नियुक्ति के लिये पात्र मा होंगे।

परन्तु, सरकार किसी व्यक्ति को इस नियम के पर्वतन से छूट दे सकती है, यदि उसका यह लमाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।

रारिक स्वस्थता

- (1) किसी भी ऐसे अन्यर्थी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा, यदि वह नारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त नहीं है, जिसके कारण उसे अपने कर्तव्यों के दक्षतामूर्वक निर्वहन में हस्तक्षेप की सन्भावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने से पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह चिकित्सा परिषद की परीक्षा में सफल हो गया है।
- (2) सेवा में अन्य पदों के मामले में वितीय हस्त पुस्तिका खण्ड II, भाग III के अध्याय III में समाविष्ट मूल नियम 10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुतं करना अपेक्षित है।

परन्तु यह कि दिव्यांगता अधिकार अधिनियम, 2016 (अधिनियम संख्या--49 वर्ष 2016 भारत सरकार) की धारा-33 के क्रम में इस हेतु चिन्हित पदों तथा धारा-34 के अन्तर्गत चिन्हित श्रेणियों दिव्यांगों को नियमानुसार नियुक्ति देने से मना नहीं किया जायेगर।

### भाग 5-भर्ती की प्रक्रिया

रिक्तियों की अवधारणा

- नियुक्ति प्राधिकारी वर्ष के दौरान गरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या के साध-साध नियम-६ के अधीन उताराखण्ड की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर व अन्य श्रेणियाँ के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या अवधारित करेगा और सेवा योजन कार्यालय / चयन बोर्ड को सूचित करेगा।
- सीधी महीं की प्रक्रिया
- सेवा में सीधी भर्ती पदों पर मती उत्तराखण्ड (लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर) समूह र के पदों पर सीधी गर्ती प्रक्रिया नियमावली-2008 के एवं इस सम्बन्ध में सभय-समय पर यथासंशोधित नियमायलियों के उपबन्धों के अनुसार नियम-8 में दी गयी निर्वारित रौक्षिक योग्यता के आधार पर उत्तराखण्ड चिकिस्सा रिक्षा सेवा चयन बोर्ड के मध्यम से की जायेगी।

प्रतियोगिता परीक्षा का पाठ्यक्रम और नियम आयोग द्वारा समय-समय पर विहित किये जायेंगे।

# भाग 6-नियुक्ति, परिवीक्षा, स्थायीकरण एवं ज्येष्ठता

नियुक्ति

परिवीदा।

- (1) उपनियम (2) के अधीन रहते हुए नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों के नाम उस कम में लेकर जिसमें वे नियम-15. 16 के अधीन बनायी गयी खूडियों में हों, नियुक्ति करेगा।
  - (2) यदि किसी चयन के सम्बन्ध में एक से अधिक नियुक्ति का आदेश जारी किया जाता है तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा, जिसमें चयनित व्यक्तियों के नाम का उल्लेख चयन में अवधारित ज्येन्डता के आधार वा उस क्रम में, यथारिधति, जिस क्रम में उनका नाम उस संवर्ग में है. किया आयेगा।
  - (3) नियुक्ति प्राधिकारी अस्थायी या स्थानापन्न रूप में भी उपनियम (1) के अधीन तैयार की गई सूची में नियुक्ति कर सकता है। यदि सूचियों का कोई अन्यर्थी उपलब्ध न हो तो वह इन नियमों के अधीन पात्र अन्यवियों में से ऐसी रिक्तियों पर नियुक्ति कर सकता है। ऐसी नियुक्तियों एक वर्ष से अनिधक अवधि के लिए या इन नियमों के अधीन अगले चयन के बाद तक, इनमें जो भी पहले हो, नहीं की जायेगी और जहाँ पद आयोग के क्षेत्र के अन्तर्गत आता हो, वहाँ उत्तराखण्ड, लोक सेवा आयोग (कृत्यों का परिसीमन) विनियम, 1964 के विनियम 5 (क) के प्राविधान लागू होंगे।

18. (1) सेवा या किसी स्थायी घट पर या उसके विरुद्ध रिक्ति पर नियुक्त व्यक्ति 02 वर्ष की अवधि के लिए परिवीसाधीन रहेगा

(2) नियुक्ति प्राधिकारी पृथक-पृथक मामले में परिवीका का दिनांक विनिर्दिश्ट करते हुए जब तक अवधि बढाई गयी है, अवधि बढ़ा सकता है, जिसके कारण अमिलिखित करने

होगे : परन्तु यह कि आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी।

- (3) यदि नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्रतित होता है कि परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी समय या परिविक्षा अवधि की समाप्ति अधवा परिवीक्षा की बढ़ाई गयी अवधि में किसी परिवीक्षाधीन द्वारा अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया है या अन्यथा समाधान प्रदान करने में असफल रहा है तो उसे उसके मूल पद पर, यदि कोई है, प्रत्यावर्तित किथा जा सकेगा या यदि उसका किसी पद पर धारणाधिकार नहीं है, तो उसकी सेवाए समाप्त की जा सकेगी।
- (4) ऐसे परिवीदाधीन व्यक्ति जिसे उपनियम (3) के अधीन प्रत्यावर्तित कर दिया गया हो या जिसकी सेवाएं समाप्त कर दी गई है. किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।
- (5) नियुक्ति प्राधिकारी परिवीक्षा अवधि की संगणना के प्रयोजन हेतु उस निरनार सेवा को गिने जाने की अनुमति दे सकेगा, जो उस दिशिष्ट संवर्ग में शामिल किये गये पद पर या किसी समान अथवा जच्चतर पद पर स्थानापन्न या अस्थाई रूप में प्रदान की गयी हो।

स्थायीकरण

- (1) उपनियम-(2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुथे, किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति में उसकी परिवीक्षा अवधि या बढायी गयी परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर स्थायी किया जा सकेगा; यदि--
  - (क) उसका कार्य और आचरण संतोषप्रद बताया जाय;
  - (ख) उसकी सत्वनिष्ठा प्रमाणित कर दी जाय;
  - (ग) नियुक्ति प्राधिकारी का समाधान हो जाये कि वह स्थायीकरण के लिए अन्यथा उपयुक्त है।

(2) यदि "उत्तराखण्ड राज्य के सरकारी सेवकों की स्थायीकरण नियमावली, 2002" के अन्तर्गत स्थायीकरण आवश्यक न हो तो उक्त नियमावली के नियम 5 के उपनियम (3) के बधीन जारी किया यह आदेश कि सम्बन्धित व्यक्ति ने धरिनीशा अवधि सफलतापूर्वक समाप्त कर ती है, स्वाजीकरण का आदेश समझा जावेगा।

ज्येष्ठता

20. (1) सेवा में किसी केनी के यद पर किसी कर्मचारी की ज्वेच्छता का निर्धारण "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्वेच्छता निवमावली, 2002" (समद—समय पर वधासंशोधित) के अनुसार किया जावेगा।

#### मार-ए-वेतन

वेतनमान

- 21. (1) त्रोवा में विभिन्न बेणियों के पक्षों पर नियुक्त कार्षिक का अनुमन्य वैदनमान यह होगा जो सरकार द्वारा समय-समय पर अक्यारित किया जाय।
  - (2) इस निवनावती के प्रारम्य होने के समय सेवा के विभिन्न वदों के प्रवृतित वेतनमान परिशिष्ट-क में विए गए है।

परिवीसा के दौरान वेतन 22. (1) मूल निवनों में किसी प्रतिकृत प्राविकान के होते हुए मी परिवेक्सभीन कर्मचारी को, बिद वह पहले से स्थाई तरकारी सेवा में नहीं है, तो उस एक वर्ष की संतोमजनक सेवा पूरी करने पर प्रथम नेवन वृद्धि प्रदान करने की सनुमित प्रदान की जानेगी तथा वृद्धि रेवन वृद्धि 02 वर्ष की सेवा के पश्चात परिवेक्स व्यक्षि पूर्ण किए जाने तथा स्थानी किए जाने पर दी जानेगी।

थरन्तु वह कि वदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परियोका अवधि वहाई जाती है सो जब तक निवृक्ति प्राधिकारी अन्त्रचा निदेश ने वें, ऐसी बढ़ाई गई अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं निजी जावेगी।

(2) परिवीक्ता के शौरान केसे कार्निक का वेतन, जो सरकार के अजीन पहले से ही यह धारण कर रहा है संगत भूस निवर्गे द्वारा विनिविमित किया जावेगाः

परन्तु वह कि वदि समस्मान प्रदान करने में असफस रहने के कारण परिवीक्ता जबिंध बढ़ाई आती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अध्यक्त निदेश न वें ऐसी बढ़ाई नई अविंध बेतन वृद्धि के लिए नहीं यिनी आवेगी।

(3) परिवासा के दौरान ऐसे कार्मिक का येतन, जो यहले से ही स्थाई सरकारी सेवा में है, राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सामान्य सेवारत खेवकों पर जागू संगत निवनों द्वारा विभिविधत किया जानेगा।

#### भाग-8-अन्य उपक्रव

पक्ष समर्थन

23. किसी पद वा सेवा पर लागू नियमायली के अधीन अपेक्षित सिंकारिशों से मिन्न किन्ही सिंकारिशों पर, वाई लिखित को वा गीखिक, पर विचार नहीं किया जावेगा। किसी अध्यक्षी की कोर से अपनी अध्यक्षिता के लिए प्रत्यक्ष दा अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रवास का प्रमाण उसे नियुक्ति के अयोग्य कर देगा।

सन्य विषयों का विनियमन 24. ऐसे विश्वमों के सम्बन्ध में, जो विनिर्दिष्ट कप से इस निवमावती वा विशेष आदेशों के अन्तर्गत न आते हो, सेवा में निवृक्त अविक राज्य के कार्यकलायों के सम्बन्ध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतः लागू निवमों /विनिष्टमों और आदेशों द्वारा नियंत्रित होंगे।

सेवा शताँ का शिव्यितीकरण 25. जहाँ राज्य सरकार को यह समाधान हो जाये कि सेवा में निवृत्य व्यक्तियों की सेवा शर्ते विनियमित करने वाले किसी निवम के प्रवर्तन से किसी विशेष नामले में अनुषित किमाई होती है, वहाँ यह उस पामले में लाजू निवमों में किसी बात के होते हुए भी आदेश द्वारा उस निधम के अधेकाओं को उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रखते हुए, जिन्हें यह भागते में नाम संगत और साम्वपूर्ण रिक्ति से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक समझे अभिगृत्य या शिक्ति कर सकती है।

व्यावृत्ति

26. इस नियमांवती की किसी बात का कोई ऐसे आरसण और अन्य रियायतों पर नहीं पहेगा, जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसुचित जातियों, अनुसुचित जनजातियों, अन्य पिछने वर्ग तथा जन्य विशेष श्रेणियों के अन्यर्थियों के लिए उपवृद्धित किया जाना अपेक्षित हो।

			_	
पद, पदों र	ñ	संख्या	vai	वेतनमान

<b>華</b> 0 村0	पदनाम	राजकीय मेडिकल कॉलेज					कल
		श्रीनगर	डल्हानी	देहरादून	अल्बोड़ा	वैतनमान	कुल योग
1.	लैब टैक्नीशियन, ओवटीठ टैक्नीशिवन	38	62	47	47	₹ 29,200—92,300 (लेवस–6)	184
2.	सी०एस०एसएडी० टैक्नीशिवन	11	16	16	16	₹ 25,500—81,100 (लेवल—4)	59
3.	डेप्टल टेक्नीशियन	02	04	04	04	₹ 29,200-92,300 (लेवल-5)	14
4.	रिफ्रेक्सनिस्ट	01	01	01	01	₹ 29,200-92,300 (लेवल-s)	04
6,	इं०सी०जी० टेक्नीशियन	01	01	01	01	१ 29,200—92,300 (तेवल—6)	04
6.	रेडियोगाफिक्स, एक्स-रे टैक्सीशियन	04	001-03	06	08	₹ 29,200—92,300 (लेवल—6)	30
7.	रेडिबोर्धरेपी टेक्नीशियन	02	04	02	02	१ 44,800-1,42,400 (लेवल-7)	10
8.	अधियोगेट्री टॅक्नीशियन	01	01	01	01	₹ 29,200—92,300 (लेवल—5)	04
	q	ल योग				+(	300

#### स्टेट केंचर इंस्टीट्यूट हेतु टैक्नीशिकन के पद

क्रo . संo	पदनान	राजकीय गेडिकत कॉलेज		कुल योग
		छल्हानी	वैतनमान	
1,	केंसर जेनिटिक्स (रिसर्च) टैक्नीशियन	01	र 29,200—\$2,300 (लेवल—6)	01
2.	न्युक्तियर मेबिसिन टैक्नीशियन	04	र 29,200-92,300 (संवल 5)	04
3.	रेविवेशन आंकोलॉजी टेक्नीशियन	12	₹ 29,200-92,300 (लेवल-5)	12
4.	त्तजिकल आंकोलॉजी (मेजर ओठटी०) टैक्नीशियन	04	₹ 29,200-82,300 (लेवल 5)	64
5.	रेडियोडायग्नोसिस टैक्नीसियन	06	₹ 29,200-92,300 (लेवल-5)	06
6.	एनेस्थिसियोलॉजी + आई०सी०यु०	06	₹ 29,200 -92,300 (लेवल -6)	06
कुल बोग				33

#### सुपर स्पेशिवलिटी विमानों हेतु टैक्नीशिवन के पद

	विभाग	राजकीय मेडिकस कॉलेज		कुल बीग
WO T		हल्द्वानी लेक/खोठटीठ/सीठएसठएसछडीठ टेक्नीशिकन	वेतनभान	
1.	न्यूरो सर्परी	01	र 29,200-02,300 (लेवल-6)	. 01
2,	नैकोलॉजी	01	₹ 29,200—92,300 (लेवल—6)	01
3.	कार्डियोलॉजी	01	₹ 29,200—82,300 (लेवल—6)	01
4.	बुरोलॉजी	01	र 29,200—92,300 (सेवल६)	01
5.	प्लास्टिक सर्जरी	01	र 29,200—92,300 (अंवल—5)	01
	<u> </u>	ल वीग		95

आज्ञा से, नितेश कुमार झा, सविव।

टिप्पणी—राजपत्र, दिनांक 09-05-2029, भाग 1 में प्रकाशित। [प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित----}

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 05 चिकित्सा / 151-18-05-2020-150 प्रतियां (कम्प्यूटर / रीजियो)।